प्रधानाचार्यों को दी जानकारी

मुरादाबाद : राजकीय पॉलीटेक्निक कालेज में शुक्रवार को सेमेस्टर प्रणाली एवं स्पोकन ट्यूटोरियल की एक दिवसीय कार्यशाला में प्रधानाचार्यों को विस्तृत रूप से जानकारी दी गयी। पश्चिम जोन के संयुक्त निदेशक डीएम सिंह ने बताया कि प्राविधिक शिक्षा विभाग उप्र के डिप्लोमा सेक्टर में जुलाई 2016 से सेमेस्टर प्रणाली लागू कर दी गयी है। इससे छात्रों को पढ़ाई में सहूलियत होगी। उन्होंने कहा कि आइआइटी मुंबई डिप्लोमा सेक्टर के छात्रों को ऑनलाइन स्पोकन ट्यूटोरियल पाठ्यक्रम उपलब्ध कराता है। छात्र अपनी पढ़ाई के साथ-साथ आइआइटी मुंबई द्वारा चुने गए पाठ्यक्रम का अध्ययन कर ऑनलाइन परीक्षा देंगे, जिसका प्रमाण पत्र भी आइआइटी मुंबई द्वारा दिया जाएगा। यह प्रमाण पत्र छात्रों को रोजगार दिलाने में भी सहायक होगा। कम से कम एक सेमेस्टर में छात्रों को यह कोर्स करना आवश्यक है। प्रधानाचार्य तजम्मुल अफजाल ने बताया कि छात्रों के अलावा शैक्षिक स्टाफ व अन्य कर्मचारी भी इस कोर्स की पढ़ाई कर सकते हैं। आइआइटी मुंबई के समन्वयक आश्रय सेठ, आइआरडीटी कानपुर के प्रोफेसर योगेश के अलावा अमरोहा, रामपुर, कासगंज, एटा, अलीगढ़ के प्रधानाचार्य एवं प्रतिनिधि मौजूद रहे।

...प्रजापति, अभिषेक उपस्थित थे।

स्पोकन ट्यूटोरियल पर कार्यशाला

मुरादाबाद। राजकीय पॉलीटेक्निक में प्राविधिक शिक्षा विभाग उ.प्र. के डिप्लोमा सेक्टर वर्ष 2016-17 में लागू सेमेस्टर प्रणाली एवं स्पोकन ट्यूटोरियल को लेकर कार्यशाला का आयोजन हुआ। पश्चिम जोन के संयुक्त निदेशक बीएस सिंह ने सेमेस्टर प्रणाली के संबंध में विस्तृत रूप से क्षेत्र के प्रधानाचार्यो को बताया। कार्यशाला में आईआईटी मुंबई से आश्रय सेठ, स्थानीय राजकीय पॉलीटेक्निक के तजम्मुल अफजाल, आईआरडीटी कानपुर के योगेश ने संबोधित किया। कार्यशाला में मुरादाबाद के अलावा, अमरोहा, रामपुर, बिजनौर, संभल के राजकीय /अनुदानित एवं निजी क्षेत्र के प्रधानाचार्यो व प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

रोजगार में सहायक होगी ऑनलाइन परीक्षा

मुरादाबाद। प्राविधिक शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश के डिप्लोमा सेक्टर में वर्ष 2016-17 में लागू सेमेस्टर प्रणाली एवं स्पोकन ट्यूटोरियल के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला शुक्रवार को आयोजित की गई। पश्चिम जोन के संयुक्त निदेशक डीएम सिंह ने सेमेस्टर प्रणाली के बारे में प्रधानाचार्यों को बताया। आईआईटी मुंबई प्राविधिक शिक्षा उत्तर प्रदेश के डिप्लोमा सेक्टर के विद्यार्थियों को ऑन-लाइन स्पोकन ट्यूटोरियल पाठ्यक्रम उपलब्ध कराता है। इस पाठ्यक्रम को संस्था का शैक्षिक स्टाफ व अन्य कर्मचारी भी कर सकते हैं।

ITI
संस्थापना वर्ष: 1943
संस्था कोड सं0 182
योग्यता- हाईस्कूल
स मात्र
000/- प्रतिवर्ष
ान किस्तों में
हॉस्टल नि. शुल्क,
टी. विशेष छूट
9548926732

विज्ञा
त्वचा,
DR.
भूड़े क
Regd
H-27
पारकर
जिल

इंतजार किया जाएगा।

अमर उजाला

पॉलीटेक्निक छात्रों को मिलेगी निशुल्क कंप्यूटर ट्रेनिंग

गाजियाबाद(ब्यूरो)। शास्त्री नगर स्थित राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज में आईआईटी मुंबई की ओर से 'स्पोकन ट्यूटोरियल' कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें सभी सरकारी, अर्द्ध सरकारी और निजी पालीटेक्निक कॉलेजों के प्राचार्य और शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया।कार्यशाला में आईआईटी मुंबई के विशेषज्ञ आश्रय सेठ ने अपने व्याख्यान में बताया कि सेमेस्टर वाइज सभी पॉलीटेक्निक कॉलेजों में विद्यार्थियों को निःशुल्क कंप्यूटर ट्रेनिंग दी जाएगी। एक माह के प्रशिक्षण के बाद छात्रों को ई लर्निंग का सर्टिफिकेट भी दिया जाएगा। आश्रय सेठ ने सभी शिक्षकों को ई लर्निंग की आधुनिक तकनीक से अपडेट रहने को कहा। कार्यशाला को सफल बनाने में डीएम सिंह (संयुक्त निदेशक, प्राविधिक शिक्षा), शोध विकास एवं प्रशिक्षण संस्थान कानपुर से लिटिल कुमार, कार्यवाहक प्रधानाचार्य एमएफ खान, केके दूबे आदि का विशेष सहयोग रहा।

पाठ्यक्रमों की नई विधाएं बताईं

गाजियाबाद | संवाददाता

राजकीय पॉलीटेक्निक में आईआईटी मुंबई की ओर से 'स्पोकन ट्यूटोरियल' कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें पॉलीटेक्निक संस्थानों में संचालित विभिन्न ब्रांचों के पाठ्यक्रमों की नई विधाओं से शिक्षकों को परिचित कराया गया।

शनिवार को शास्त्री नगर स्थित राजकीय पॉलीटेक्निक में प्रशिक्षण लेने के लिए राजकीय, सहायता प्राप्त और सेल्फ फाइनेंस पॉलीटेक्निकों के शिक्षक पहुंचे। इस दौरान कार्यवाहक प्रधानाचार्य एमएफ खान ने बताया कि छात्रों को रोजगारपरक शिक्षा दिलाने के उद्देश्य से प्रदेश के पॉलिटेक्निक संस्थानों में ये प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

इस दौरान शोध विकास एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्रदेश समन्वयक लिटिल कुमार ने बताया कि आईआईटी मुम्बई ने इस प्रशिक्षण कार्यशाला की जिम्मेदारी शोध विकास एवं प्रशिक्षण संस्थान कानपुर को सौंपी है।

संस्थान की ओर से प्रदेश के पॉलीटेक्निक के शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। इस दौरान अपर निदेशक कानपुर आरसी राजपूत, संयुक्त निदेशक डीएम सिंह, विभागाध्यक्ष सिविल केके दुबे आदि मौजूद रहे।

आसानी से पाठ्यक्रम समझने के तरीके बताए

ट्रांस हिंडन। पढ़ाई की तकनीकियों और तरीकों में सुधार लाने के लिए राजेंद्र नगर के डीएलएफ स्कूल में शिक्षकों की राय ली गई। नेशनल प्रोग्रेसिव स्कूल कांफ्रेंस में विभिन्न स्कूलों के करीब 50 शिक्षकों ने शामिल होकर बच्चों को आसानी से उनके पाठ्यक्रम को समझाने के तरी[illegible] बताए। इनोवेशन एंड इंटरप्रिनियोरशि[illegible] इन क्लास रूम विषय पर शिक्षकों ने अपने मत रखे। इस दौरान शिक्षकों ने कहा कि बच्चों को तार्किक ज्ञान के साथ अभ्यास कराना भी जरूरी है।

छह सेमेस्टर में होगी पॉलीटेक्निक की पढ़ाई

कानपुर, जागरण संवाददाता : प्रदेश के सभी पॉलीटेक्निक में सेमेस्टर सिस्टम इस सत्र से लागू होगा। यह चर्चा मंगलवार को राजकीय पालीटेक्निक में हुई। यहां आईआईटी मुंबई के समन्वयक आश्रय सेठ ने मौजूद प्रोफेसरों को सेमेस्टर सिस्टम लागू करने के तरीके बताए। इसके अलावा स्पोकन ट्यूटोरियल सत्र भी आयोजित किया गया। जिसमें उन्होंने आईआईटी मुंबई के वेबसर्वर पर लॉगिन करने की विधियां भी बतायीं। इस दौरान बताया गया पहला सेमेस्टर 15 जुलाई से शुरु होकर दिसंबर में समाप्त हो जाएगा। दूसरा, चौथा व छठवां सेमेस्टर जनवरी से लागू होकर मई में समाप्त हो जाएगा। इस प्रणाली में छात्रों को कुल तीन अवसर देय होंगे, तथा अधिकतम एक साल में चार बैक पेपर ही मान्य होंगे। सहायक प्राचार्य डॉ. क्षमा मिश्रा ने डिप्लोमा स्तर की पढ़ाई में आईटी के साफ्टवेयर, वीडियो जैसे लाइनिक्स, सीप्लस आदि की जानकारी दी। इस मौके पर मौजूद संयुक्त निदेशक बुंदेलखंड क्षेत्र जेएल वर्मा ने बताया आईआईटी मुंबई की सहभागिता से छात्रों को रोजगार प्राप्त करने में सहजता होगी। इस दौरान बुंदेलखंड क्षेत्र के प्राचार्य मो. साबिर, पीसी जैन, डॉ. आरके सिंह, मो. तारिक, कल्पना गौड़ व प्रशिक्षण एवं सेवायोजन अधिकारी डॉ.एसपी सोनी आदि भी मौजूद थे।

पालीटेक्निक छात्रों को मिलेगा एक्सपोजर

छात्रों के लिए आईआईटी मुंबई ने तैयार किया ऑनलाइन स्टडी प्रोग्राम 'स्पोकेन ट्यूटोरियल'

कानपुर, जागरण संवाददाता : पालीटेक्निक के छात्रों की पढ़ाई अब केवल उनके शिक्षण संस्थानों तक ही सीमित नहीं रहेगी। इस साल उन्हें आईआईटी का एक्सपोजर भी मिलेगा। आईआईटी मुंबई ने उनके लिए ऑनलाइन स्टडी प्रोग्राम 'स्पोकेन ट्यूटोरियल' तैयार किया है। महीने भर के इस शैक्षिक कार्यक्रम का अध्ययन करने के बाद छात्रों के लिए ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसमें सफल छात्रों को इंजीनियरिंग डिप्लोमा के साथ आईआईटी का प्रमाण पत्र भी मिलेगा। यह प्रमाणपत्र डिप्लोमा धारक छात्रों का पढ़ाई के साथ किए गए कार्य का अनुभव होगा।

'स्पोकेन ट्यूटोरियल' के अंतर्गत छात्रों की ऑनलाइन कक्षाएं किस तरह से आयोजित की जानी है, इसका प्रशिक्षण पहले पालीटेक्निक शिक्षकों को दिया जाएगा। इसके लिए सबसे पहले राजकीय पालीटेक्निक कानपुर, गाजियाबाद, मुरादाबाद, झांसी, गोरखपुर, राजकीय महिला पालीटेक्निक लखनऊ व एवीशन इंस्टीट्यूट बनारस में शिक्षकों को प्रशिक्षण दिए जाने की रूपरेखा तैयार की गई है। इन क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले सरकारी, सहायता प्राप्त व प्राइवेट पालीटेक्निक के सैकड़ों शिक्षक इन पालीटेक्निक में प्रशिक्षण लेंगे। इन सभी पालीटेक्निक में दिए जाने वाले प्रशिक्षण के लिए तारीख भी तय कर ली गई है। झांसी में 13 अगस्त, कानपुर व गोरखपुर में 16 अगस्त, लखनऊ में 17 अगस्त, मुरादाबाद में 19 अगस्त, गाजियाबाद में 20 अगस्त व बनारस में 22 अगस्त को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

हासिल होगी उपलब्धि

- पहली बार प्रदेश के सभी पालीटेक्निक में होगी विशेष विषय की ऑनलाइन परीक्षाएं
- इंजीनियरिंग डिप्लोमा के साथ मिलेगा आईआईटी का प्रमाणपत्र भी

सभी कालेजों को जोड़ने की तैयारी

स्पोकेन ट्यूटोरियल के प्रदेश समन्वयक व शोध विकास एवं प्रशिक्षण संस्थान के इलेक्ट्रानिक्स विभाग के विभागाध्यक्ष लिटिल कुमार वर्मा ने बताया कि इस कार्यक्रम से प्रदेश के सभी कालेजों को जोड़े जाने का लक्ष्य है। आईआईटी मुंबई के आसरे सेठ कार्यक्रम समन्वयक व ट्रेनिंग मैनेजर नेहा श्रीवास्तव 13 से 22 अगस्त तक शिक्षकों को प्रशिक्षण देंगे। आईआईटी से मिलने वाले प्रमाण पत्र का लाभ छात्रों को नौकरी प्राप्त करने व पदोन्नति में मिलेगा।

एक हजार से ज्यादा छात्र छात्राओं को मिलेंगी डिग्रियां

कानपुर, जागरण संवाददाता : मुंह का स्वाद बढ़ाने वाली शक्कर को लेकर विदेश तक अपनी पहचान बना चुके राष्ट्रीय शर्करा संस्था में आठ सालों के बाद अब पदकों की बारिश होगी।

यहां से अपनी पढ़ाई पूरी कर चुके हजारों छात्र-छात्राओं को उनकी डिग्रियां मिलेंगी। संस्थान रंग-बिरंगी लाइटों से इस तरह सजेगा जैसे कोई दुल्हन हो। दरअसल आठ सितंबर को कल्याणपुर स्थित एनएसआई में दीक्षा समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर खाका खींचा जा चुका है। मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान मौजूद रहेंगे। इस संबंध में निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने कहा कि कार्यक्रम को लेकर की जाने वाली तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। आठ सालों तक दीक्षा समारोह न होने का कारण निदेशक ने मुख्य कारण फैकल्टी की कमी होना बताया।

ये हैं दिए जाने वाले प्रमुख पुरस्कार

- डॉ. एस मुखर्जी अवार्ड (गोल्ड)
- डॉ. कृपाशंकर स्मृति पुरस्कार
- श्री जी प्रॉसिस अवार्ड
- एनएन गुंडाराव छात्रवृति पुरस्कार
- फ्यूचर लीडर अवार्ड